इस विषय पर अधिक जानकारी और संसाधनों के लिए अपने स्मार्ट फोन के क्यूआर कोड रीडर का उपयोग करें।

© ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनीवर्सिटी के सीएसयूडी की इस परियोजना का उद्देश्य ज्ञान का आदान-प्रदान करना, नेटवर्कों का निर्माण करना; समुदायों, शहरी विकास कर्मियों, यूनीवर्सिटीयों, गैर-सरकारी संगठनों और नीति निर्माताओं के बीच समावेशपूर्ण शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटने में जन सहभागिता पर संवाद को आगे बढ़ाना है।

WORLD URBAN CAMPAIGN

GLOBAL STUDIO

लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल

सहभागिता और समावेशपूर्ण शहरीकरण

भ्रमण प्रदर्शनी : 2013

01 लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल

ग्लोबल स्टूडियो और कोलम्बिया यूनीवर्सिटी न्यूयॉर्क के अर्थ इंस्टीट्यूट के सेंटर फॉर सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट द्वारा आयोजित भ्रमण प्रदर्शनी। वर्ष 2013 में यह प्रदर्शनी थाईलैंड, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, केन्या, भारत, बांग्लादेश, चीन और अमरीका के शहरों में जायेगी।

02 लचीले, समतापूर्ण, समावेशपूर्ण, व्यवस्थित और स्थायित्वपूर्ण

यदि शहरों को लचीला, समतापूर्ण, समावेशपूर्ण, व्यवस्थित और स्थायित्वपूर्ण (आरईआईएसएस) बनना है तो आम लोगों को संवाद का हिस्सा बनना होगा। शिक्षा और व्यवहार के नये रूप आरईआईएसएस शहर का निर्माण करने में सहायता कर सकते हैं। 'लोगों के बल, बेहतर शहरों का कल' संस्था सहभागिता और समावेशपूर्ण शहरीकरण पर संवाद को प्रेरित करना चाहती है।

03 असमानता

आय और मानव विकास सूचकांक से मापी गई असमानता गहन है। भूमंडलीय रूप से सबसे ऊपर के 20 प्रतिशत लोगों के पास विश्व की 70 प्रतिशत संपत्ति है। असमानता शहर में आर्थिक स्थायित्व और जनतांत्रिक अधिकारों के लिए खतरा पैदा करती है।

04 जनसंख्या वृद्धि और झोंपड़पट्टियां

भविष्य में अधिकतर शहरी जनसंख्या वृद्धि विकासशील देशों में होगी। वर्ष 2020 तक 4.2 अरब लोग शहरों में रहेंगे और 1.5 अरब लोग (35 प्रतिशत) झोंपड़पट्टियों में रहेंगे। असमानता शहरों के स्थानिक विभाजन में योगदान करती है।

05 जलवायु परिवर्तन

इमारत ग्रीन हाउस गैसों में 30 प्रतिशत का योगदान करती है। सबसे अधिक सीओ^2 पैदा करने वाले चार देशों में चीन, अमरीका, यूरोपीय संघ और भारत शामिल हैं। प्रति व्यक्ति टन के हिसाब से सबसे अधिक सीओ^2 उत्सर्जित करने वाले देशों में आस्ट्रेलिया, अमरीका, दक्षिण अफ्रीका और चीन शामिल है। शहरी निर्धन कठोर मौसम से खतरनाक रूप से असुरक्षित होते हैं। आरईआईएसएस शहर बनाने के लिए यह जरूरी है कि निर्धन लोग जलवायु परिवर्तन की रणनीतियों के केंद्र में रहें।

06 नागरिक भागीदारी और सार्वजनिक सहभागिता

नागरिक भागीदारी एक अधिक समावेषपूर्ण शहर की पूर्व–शर्त है। किसी भी आरईआईएसएस शहर में निवासियों का शहर को प्रभावित करने वाले फैसलों में भाग लेना आवश्यक है। प्रभावकारी सहभागी प्रक्रियाएं बदलावकारी और सशक्तीकरण करने वाली प्रक्रियाएं हो सकती हैं। स्लम ड्वैलर्स इंटरनेशनल द्वारा प्रस्तुत एक अधिकार–आधारित मॉडल जीवन के सभी क्षेत्रों में अवसरों को प्रोन्नत करता है। हमदी (2004) का कहना है, "योजनाएं बनाते समय और शहरी अभिशासन में सहभागी डिजाइन (और नियोजन) समता और कार्यक्षमता हासिल करने की कुंजी है।"

लचीले, समतापूर्ण, समावेशपूर्ण, व्यवस्थित और स्थायित्वपूर्ण शहरों के लिए नागरिक भागीदारी की जरूरत है।

07 क्या शिक्षा प्रभावकारी रूप से कार्य कर रही है?

डिजाइनर और योजनाकार शहरों की समस्याओं को हल करने और बेहतर परिणाम देने के लिए प्रभावकारी ढंग से कैसे कार्य करते हैं? खोसला (भारत), पिटेर्से एवं बेनिट–ग्बाफो (दक्षिण अफ्रीका) और डि सिल्वा (ब्राजील) आम लोगों की सहभागिता और नागरिक भागीदारी के संबंध में कुछ गहन विचार प्रस्तुत करते हैं।

08/09 ग्लोबल स्टूडियो का दृष्टिकोण

ग्लोबल स्टूडियो का उद्देश्य निवासियों के साथ साझेदारी करके शहरी पेशेवर कर्मियों को आरईआईएसएस शहर में योगदान करने हेतु शिक्षित करना है। इस दृष्टिकोण के 8 सिद्धांत और प्राथमिकताएं हैं। इसके अनुसार ग्लोबल स्टूडिओ ने 20 संभावित सहभागी कार्रवाइयों और अनेक प्रेरक प्रश्नों का एक टूल किट तैयार किया है। इन सिद्धांतों से सभी सहभागियों का क्षमता–निर्माण, समुदाय अकादमिक जगत के लोगों और पेशेवर हितधारकों के बीच परिणामों का प्रसार आदि शामिल हैं।

10/11 ग्लोबल स्टूडियो केस स्टडी 1: भारत समावेशपूर्ण शहर केंद्र, भोपाल

शोध और समुदाय के साथ परामर्श पर आधारित एक दृष्टिकोण जिसके फलस्वरूप पुराने और नये शहरों को जोड़ने और भोपाल के नागरिकों के लिए एक नया साझा पार्क तथा झील के अग्र भाग में पैदल पथ तैयार करने के लिए शहरी डिजाइन प्रस्ताव सामने आये।

12/13 ग्लोबल स्टूडियो केस स्टडी 2: भारत कबाड़खाना क्षेत्र, भोपाल

एक शहरी झोंपड़पट्टी के संदर्भ में समस्याओं और अवसरों की पहचान के लिए समुदाय परामर्श पर आधारित दो प्रस्ताव। छोटे बदलाव – बड़े अंतर। विकसित होते आस–पड़ौस के सामुदायिक जीवन, आजीविकाओं और स्वास्थ्य में सुधार। आवास के लिए डिजाइन जन–प्रत्युत्तरकारी दृष्टिकोण हेतु "बड़ी तस्वीर वाले विचारों" की छानबीन करता है। राष्ट्रीय जेएनयूआरआरएम और आरएवाई की झोंपड़पट्टी–मुक्त शहर नीतियों द्वारा पसंद किये जी+3 ब्लॉक वाली ऊंची इमारतों के विकल्प के रूप में नये आवास की डिजाइन।

14/15 ग्लोबल स्टूडियो केस स्टडी 3: भारत समावेशपूर्ण प्रेमपुरा स्कूल, भोपाल

बच्चों के लिए और बच्चों के साथ अधिगम और बाहरी वातावरण में सुधार के लिए स्कूल, स्थानीय समुदाय और गैर–सरकारी संस्था के साथ साझेदारी करना। इसके अलावा इस परियोजना में महिलाओं और समुदाय के लिए आय–जनन परियोजनाएं तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

16 ग्लोबल स्टूडियो केस स्टडी 4: दक्षिण अफ्रीका तीन टाउनशिप्स, जोहनेसबर्ग

तीन वर्षों से समुदाय के साथ कार्य करने से विश्वास और ज्ञान का जनन हुआ; तीन समुदाय–आधारित संस्थाएं बनीं। कार्यान्वित की गई पहलकदमियां इस प्रकार थीं: पर्यावरण स्वास्थ्य सुधार और सांस्कृतिक कार्यकलाप; जलवायु परिवर्तन शमन के लिए डिजाइन प्रस्ताव; और एक कला एवं सांस्कृतिक केंद्र।

17 समुदाय केस स्टडी 5: दक्षिण अफ्रीका डिपस्लूट, जोहानेसबर्ग में समुदाय के नेतृत्व में विकास

ग्लोबल स्टूडियो के कार्य (2007–09) को आधार बनाते हुए समुदाय आधारित संगठनों – डीएसीएन और डब्ल्यूएएसएसयूपी ने "स्टिकी सिचुएशंस" के साथ मिल कर स्वच्छता और कला एवं संस्कृति में बदलाव लाने के लिए प्रभावकारी ढांचे तैयार किये।

18 क्या डिजाइनर प्रभावकारी ढंग से कार्य कर रहे हैं?

क्या डिजाइनर विश्व में समुदायों को संलग्न कर रहे हैं? पिटेर्से (दक्षिण अफ्रीका), लुआनसांग और अन्य (थाइलैंड) और एक्विलिनो और स्टीफेंसन (फ्रांस–हैती) सार्वजनिक सहभागिता और नागरिक भागीदारी पर गहन विचार प्रस्तुत करते हैं।

19 केस स्टडी 6 और 7: स्वास्थ्य

हैल्थहैबिटैट ने डिजाइन और क्षमता–निर्माण रणनीतियों के माध्यम से स्वास्थ्य में सुधार के लिए देशज आस्ट्रेलियाइयों, नेपाली ग्रामीणों, सार्वजनिक आवासों में रहने वालों को कार्य में भागीदार बनाया। आर्काइव की अंतर्राष्ट्रीय डिजाइन प्रतियोगिताओं ने हैती और कैमरून में स्वास्थ्य के कठिन मुद्दों को लेकर कार्य किया।

20 केस स्टडी 8 और 9: सशक्तीकरण

एसीसीए (थाईलैंड) और समुदाय वास्तुकारों ने शहर उन्नतीकरण परियोजनाओं और आवास पर एशिया के 19 देशों के 165 शहरों के लोगों के साथ कार्य किया। ब्राक (बांग्लादेश) के वास्तुशास्त्र के छात्रों ने डिजाइन तैयार की परियोजनाएं विकसित कीं और साइक्लोन पीडितों को नये अवसर प्रदान किये।

21 पहुंच और अवसर

अवसर, उपकरण और जानकारी तक पहुंच प्रदान किये जाने पर शहरी निर्धन किस प्रकार बदलाव के प्रभावी वाहक और नेता बन सकते हैं? बून्याबंचा (थाईलैंड), पटेल (भारत), स्क्लार, गारो और कारोलिनी (अमरीका) ने कुछ गहन विचार प्रस्तुत किये हैं।

22 सहभागिता

आप किस तरह सहभागिता कर सकते हैं? http://peoplebuildingbettercities.org पर आप अपने अनुभवों का आदान–प्रदान और योगदान कर सकते हैं और "पियूपल बिल्डिंग बैटर सिटीज नेटवर्क" का तथा संसाधन आधार का विस्तार कर सकते हैं।

23 धन्यवाद–ज्ञापन

कस्टम्स हाउस सिडनी, बीएसएचएफ (ब्रिटिश सोशल हाउशिंग); स्टूडियो एक्स, जीएसएपीपी, कोलम्बिया यूनिवर्सिटी, सिडनी यूनिवर्सिटी, अंतर्राष्ट्रीय विकास निधि, आस्ट्रेलिया–इंडिया इंस्टीट्यूट; ग्लोबल स्टूडियो के सहभागी, परियोजना सलाहकार दल।

24 डिजाइन किस प्रकार आपके आस-पड़ौस या शहर में सुधार लाने में मदद कर सकती है?

प्रदर्शनी पैनल पर या http://peoplebuildingbettercities.org पर अपनी टिप्पणियां जोड़ें।

THE UNIVERSITY OF SYDNEY
HENRY HALLORAN TRUST
sappi ideas that matter
GLOBAL STUDIO